कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

1. लेखक परिचय :

नाम : सुजाता (एस. रंगराजन)
असली नाम : एस. रंगराजन
उपनाम/लेखन नाम : सुजाता
जन्म: 3 मई 1935, चेन्नई, तमिलनाडु
भाषा और क्षेत्र : तमिल कथा साहित्य

2. विशेषता :

- अपनी रचना शैली और विषय-वस्तु के कारण तमिल कहानी में महत्वपूर्ण बदलाव किए।
- कथाएँ लोकप्रिय और बहुप्रशंसित।
- कुछ अभिनेय नाटक भी लिखे।
- कुछ उपन्यासों पर चलचित्र बने।

3. प्रकाशित कृतियाँ : 25+

चर्चित उपन्यास : करैयेल्लान शेण्बकप्पू, कनवुत् तोलिरशालै
कहानी स्रोत : आधुनिक तमिल कहानियाँ (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)

नगर कहानी , तमिल भाषा की कहानी है , जो 'आधुनिक तमिल कहानियाँ' (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया) से लिया गया है, इसका हिन्दी में अनुवाद के. ए. जमुना ने किया है।
अनुवादक : के. ए. जमुना

कहानी का सार/मुख्य बिंदु – नगर :

यह कहानी शहरी जीवन, सामाजिक परिस्थितियों और मानवीय संवेदनाओं को दर्शाती है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

कहानी में नगर/शहर का प्रतीकात्मक महत्व है; यह पात्रों के जीवन, उनके संघर्ष और समाज के दृष्टिकोण को उजागर करता है।

लेखक ने शहरी बदलाव, सामाजिक असमानताएँ और व्यक्तित्व संघर्ष को मार्मिक तरीके से प्रस्तुत किया है।

मुख्य उद्देश्य : सामाजिक चेतना और मानवीय अनुभवों का चित्रण करना।

नोट्स — कहानी (संक्षेप में)

कहानी : नगर (स्रोत : के० ए० जमुना अनूदित)

1. मुख्य पात्र :

वल्लि अम्माल – गाँव की आम महिला, अपनी बेटी की बहुत चिंता करती हैं।

पाप्पाति – वल्लि अम्माल की बेटी, लगभग 12 वर्ष की, बुखार से पीड़ित।

बड़े डॉक्टर और अन्य डॉक्टर – पेशेवर, विद्वान, लेकिन अस्पताल का जटिल प्रशासन।

क्लर्क/अस्पताल कर्मचारी – तटस्थ या अर्ध-संवेदनशील, नियमों में फंसे हुए।

2. कहानी का स्थल और समय :

नगर/शहर: मदुरै, तमिलनाडु।

समय: आधुनिक, सामान्य दिन की दिनचर्या और अस्पताल का दृश्य।

3. कहानी की मुख्य घटनाएँ :

वल्लि अम्माल अपनी बेटी पाप्पाति को बड़े अस्पताल में भर्ती कराने आई।

अस्पताल में भीड़, जटिल प्रशासन, क्लर्क और डॉक्टरों की प्रक्रियाएँ देखकर वल्लि अम्माल भ्रमित और भयभीत हो जाती हैं।

पाप्पाति गंभीर बीमारी से पीड़ित है – मेनिनजाइटिस।

वल्लि अम्माल को कितनी जटिल प्रक्रियाओं और चिट-पत्रों के बीच अपनी बेटी तक पहुँचने में कठिनाई होती है।

अस्पताल की व्यवस्था और कर्मचारियों की तटस्थता का प्रभाव स्पष्ट।
अंत में वल्लि अम्माल अपनी बेटी को सुरक्षित बाहर ले जाती हैं, भले ही पूरी व्यवस्था जटिल हो।

4. कहानी के मुख्य विषय/थीम :
शहरी जीवन और प्रशासनिक जटिलताएँ – शहर और बड़े अस्पताल में आम आदमी की परेशानी।

माँ की चिंता और मातृत्व – वल्लि अम्माल की अपनी बेटी के लिए चिंता और समर्पण।

सामाजिक यथार्थ और असमानता – अस्पताल का जटिल ढांचा, गरीब परिवारों की कठिनाई।

संवेदनशीलता बनाम नियम-कानून – डॉक्टर और कर्मचारी पेशेवर लेकिन मानवीय संवेदनाओं में सीमित।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

5. नगर - कहानी का सारांश :

कहानी नगर में **वल्लि अम्माल** अपनी बीमार बेटी **पाप्पाति** को **मदुरै** के बड़े **अस्पताल** में भर्ती कराने आती हैं। अस्पताल की जटिल प्रक्रियाएँ, क्लर्क और डॉक्टरों की व्यस्तता, और भीड़ देखकर वल्लि अम्माल **भयभीत और असहाय** हो जाती हैं। पाप्पाति को **मेनिनजाइटिस** का **रोग** होता है, जिसे गंभीर रूप से देखा जाना चाहिए। वल्लि अम्माल अपनी बेटी तक पहुँचने के लिए संघर्ष करती हैं। अंत में, वह अपनी बेटी को पकड़कर सुरक्षित बाहर ले जाती हैं। कहानी **शहरी जीवन** की **जटिलताओं, मातृत्व की चिंता और मानवीय संवेदनाओं** की आवश्यकता को **उजागर** करती है।

6. नगर – कहानी का निष्कर्ष :

कहानी नगर यह बताती है कि **समाज** और **आधुनिक संस्थाएँ** कितनी **जटिल** और **अनसुलझी** हो सकती हैं, खासकर तब जब एक **गरीब माँ** अपनी **बीमार बेटी** के लिए मदद लेने आती है। **वल्लि अम्माल** की **चिंता** और **संघर्ष** दिखाता है कि मातृत्व का **प्यार और समर्पण** किसी भी बाधा को पार कर सकता है।

अस्पताल की **जटिल प्रक्रियाएँ** और **नियम-कानून** मानव संवेदनशीलता के सामने **चुनौती** प्रस्तुत करते हैं, लेकिन अंत में माँ की **दृढ़ता और साहस** उसे अपनी बेटी की सुरक्षा दिलाने में सफल बनाता है।

मुख्य संदेश :

- मातृत्व का प्रेम सबसे **शक्तिशाली** होता है।
- जटिल संस्थाओं में भी **धैर्य और साहस** से समाधान निकल सकता है।
- सामाजिक और शहरी व्यवस्थाएँ कभी-कभी **मानवता** और **संवेदनशीलता** को चुनौती देती हैं।
- यह कहानी **सहानुभूति, धैर्य और सामाजिक यथार्थ** का प्रभावी चित्रण है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

बोध और अभ्यास – उत्तर

1. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें ।

उत्तर : कहानी में मुख्य घटनाएँ एक बड़े शहर, मदुरै के अस्पताल में घटती हैं। इस शहर का वातावरण, जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया और भीड़-भाड़ कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसलिए लेखक ने इसे 'नगर' नाम दिया है, जो शहरी जीवन की जटिलता, नियम-कानून और मानव संवेदनशीलता की चुनौती को दर्शाता है।

2. पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों लायी गयी थी?

उत्तर : पाप्पाति वल्लि अम्माल की बेटी थी, लगभग बारह वर्ष की। उसे तेज बुखार और मेनिनजाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के कारण गाँव से बड़े अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया।

3. बड़े डॉक्टर ने अपने अधीनस्थ डॉक्टरों से पाप्पाति को अस्पताल में भर्ती कर लेने के लिए क्यों कहा?

उत्तर : बड़े डॉक्टर ने देखा कि पाप्पाति का केस गंभीर है। उन्होंने अपने अधीनस्थ डॉक्टरों को कहा कि पाप्पाति को तुरंत एडमिट (भर्ती) किया जाए ताकि उसकी सही ढंग से जांच और इलाज हो सके। उनका यह आदेश रोगी की जान बचाने और चिकित्सा प्रक्रिया सही ढंग से करने के लिए था।

4. बड़े डॉक्टर के आदेश के बावजूद पाप्पाति अस्पताल में भर्ती क्यों नहीं हो पाती?

उत्तर : पाप्पाति अस्पताल में भर्ती नहीं हो पाई क्योंकि अस्पताल की प्रक्रियाएँ जटिल और अव्यवस्थित थीं। क्लर्क और अन्य कर्मचारी बड़े डॉक्टर के आदेश का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे थे। वल्लि अम्माल सही कमरे और प्रक्रिया का पता नहीं लगा पा रही थीं, जिससे उन्हें और उनकी बेटी को भ्रम हुआ। दस्तावेज़ और चिट के कारण भी जटिलता

बढ़ गई थी। अंततः, अस्पताल का प्रशासनिक ढांचा और जटिल नियम माँ और बेटी के लिए बाधक बने और पाप्पाति को तत्काल भर्ती नहीं कराया जा सका ।

5. वल्लि अम्माल का चरित्र चित्रण करें ।

उत्तर : वल्लि अम्माल अपनी बेटी के प्रति अत्यंत स्नेही और समर्पित थीं; वह अपनी बेटी के लिए हर कठिनाई सहने को तैयार रहती थीं। जटिल अस्पताल व्यवस्था और कर्मचारियों के व्यवहार के बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया और साहसपूर्वक परिस्थितियों का सामना किया। एक साधारण और दृढ़ व्यक्तित्व की महिला होने के बावजूद, वह अपने इरादों में अडिग थीं और अपने निर्णयों में ठोस विश्वास रखती थीं। साथ ही, वह अपने बच्चों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण थीं, हमेशा उनकी भलाई और सुरक्षा की चिंता करती थीं।

6. कहानी का सारांश प्रस्तुत करें ।

उत्तर : कहानी नगर एक माँ वल्लि अम्माल और उसकी बीमार बेटी पाप्पाति के संघर्ष पर आधारित है। पाप्पाति को गंभीर बीमारी (मेनिनजाइटिस) के कारण बड़े अस्पताल में भर्ती कराना जरूरी था। बड़े डॉक्टर ने तुरंत भर्ती करने का आदेश दिया, लेकिन अस्पताल की जटिल प्रक्रियाओं और कर्मचारियों के व्यवधान के कारण पाप्पाति भर्ती नहीं हो पाई। वल्लि अम्माल ने धैर्य और साहस दिखाते हुए अपनी बेटी को सुरक्षित रखने की पूरी कोशिश की। कहानी मातृत्व के स्नेह, धैर्य, साहस और शहरी जीवन की जटिलता को उजागर करती है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

नगर कहानी के लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. बड़े डॉक्टर पाप्पाति के बारे में पूछताछ क्यों कर रहे थे? [2018]

उत्तर : बड़े डॉक्टर पाप्पाति के बारे में इसलिए पूछताछ कर रहे थे क्योंकि वे थोड़े ही दिन पहले विदेश से शिक्षा प्राप्त कर लौटे थे। वे यहाँ अस्पताल में मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करते थे। उन्होंने पाप्पाति का निरीक्षण करने के बाद पाया कि वह **'मेनिनजाइटिस'** रोग से पीड़ित है।

2. वल्लि अम्माल का चरित्र चित्रण करें। [2012A, 2013A, 2014AII, 2017AI, 2025A]

उत्तर : वल्लि अम्माल का चरित्र-चित्रण निम्नलिखित है:

- वल्लि अम्माल गाँव की **गरीब विधवा महिला** है।
- वह **अनपढ़ महिला** है।
- वह **धैर्यशील महिला** है।
- वह परिस्थिति के सामने **लाचार** है।
- वह अपनी बीमार बेटी का इलाज कराने गाँव से शहर आती है , जहाँ नगर के अस्पताल में उसे बहुत दिक्कत होती है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#4. नगर (कहानी) - (सुजाता)

3. 'नगर' शीर्षक कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें। [2015AI]

उत्तर : इस कहानी में एक महिला (वल्लि अम्माल) अपनी बीमार बेटी का इलाज कराने गाँव से शहर आती है। वह एक गरीब और अनपढ़ महिला है , जिसे नगर के अस्पताल में बहुत दिक्कत होती है। कहानी बताती है कि नगर में **पैसे पर ही सब रिश्ता टिका है** और **मानवता पैसे से खरीदी जाती है**। बड़े डॉक्टर के कहने पर भी, पैसा नहीं होने के कारण उसकी बीमार बेटी को अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा सका। लेखक ने इस कहानी के माध्यम से नगर की **स्वार्थपरता** और **अमानवीयता** को उजागर किया है। नगर के लोग रूखे व्यवहार के हैं; वे उसे एक स्थान पर खड़ा होकर रोने भी नहीं देते। इसलिए इस कहानी का नाम 'नगर' रखा गया है, जो अव्यावहारिक जीवन शैली का प्रतीक है।

4. वल्लि अम्माल ने पाप्पाति के लिए क्या मन्नत मानी? [2022AI]

उत्तर : वल्लि अम्माल ने पाप्पाति के लिए यह मन्नत मानी कि **"यदि पाप्पाति ठीक हो जाएगी तो वैदीश्वरन जी के मंदिर जाकर दोनों हाथों से रोजगारी भरकर भगवान की भेंट चढ़ाऊँगी।"**

5. पाप्पाति बेहोश क्यों पड़ी थी? [2020AI, 2022AI, 2024AI]

उत्तर : पाप्पाति **तेज बुखार के कारण** बेहोश पड़ी थी। उसे **मेनिनजाइटिस** नामक रोग था।

6. वल्लि अम्माल से कहाँ के डॉक्टर ने पाप्पाति को लेकर मदुरै जाने को कहा था? [2020AII, 2023AI]

उत्तर : वल्लि अम्माल से **गाँव के प्राइमरी हेल्थ सेंटर** के डॉक्टर ने पाप्पाति को लेकर मदुरै जाने को कहा था।